

जादूगरी मोर छड़ी का , जादू आज दिखा दे

जादूगरी मोर छड़ी का
जादू आज दिखा दे
मेरे जाड़ा लगा दे ।
मेरे जाड़ा लगा दे ॥

जीवन की पतियांग मेरी
हाथो से तू सजा दे
मेरे जाड़ा लगा दे

श्याम बहादुर आलू सिंह जी
जैसे हम भगत नहीं है
उनके जैसे श्याम हमारे
कर्म भी अच्छे नहीं है
फिर भी दया की दौलत बाबा
मुझपे आज लुटा दे ॥

मोर छड़ी से कितनो को ही
जीवन दान मिला है
सोइ किस्मत जाग गयी अब
गोदी में फूल खिला है
इस कलयुग में ऐसा करिश्मा
फिर से तू धोरा दे ॥

मोर छड़ी लहरा दे जिसपे
वो तो है बढ भागी
उनके हर सुख दुःख में बाबा
बनता है सह भागी
मोहित के सिर पे भी बाबा
अपनी छड़ी घूमा दे ॥

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1735/title/jadugari-mod-chaadi-ka->

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |